पांच महीनों में 87,000 किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ी

इस अवधि में बिजली चोरी के 20,000 मामले पकड़े गए

नई दिल्लीः 10 सितंबर, 2014। बिजली चोरी के खिलाफ अपने विशेष अभियान में बीएसईएस ने पिछले पांच महीनों के दौरान बिजली चोरी के 20,000 मामले बुक किए हैं, जिनमें 87,000 किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ी गई है। बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने अपनी महिला अधिकारियों के नेतृत्व में पांच महीने पहले बिजली चोरी के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा अभियान शुरू किया था। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के साथ मिलकर चौबीसों घंटे – रात में भी– छापेमारी की गई। इसीका नतीजा रहा कि इतनी बड़ी मात्रा में बिजली की चोरी पकड़ में आ सकी। यह इतनी बिजली है, जिससे 2 किलोवॉट लोड वाले 43,500 मध्यमवर्गीय घरों को बिजली दी जा सकती है।

बीवाईपीएल

पूर्वी दिल्लीः पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर डिविजन में सबसे ज्यादा यानी 5330 किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ी गई है। दूसरे नंबर पर यमुना विहार है, जहां 3815 किलोवॉट और तीसरे नंबर पर नंद नगरी है, जहां 3715 किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ में आई है। करावल नगर डिविजन में 2916 किलोवॉट और लक्ष्मी नगर डिविजन में 2450 किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ी गई है।

मध्य दिल्लीः मध्य दिल्ली में दरियागंज डिविजन के इलाकों में 2714 किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ी गई है, जबकि पहाड़गंज में 2006 किलोवॉट, चांदनी चौक में 1374 किलोवॉट और शंकर रोड डिविजन में 1098 किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ी गई है।

बीआरपीएल

पश्चिम दिल्लीः पश्चिम दिल्ली के टैगोर गार्डन डिविजन में सबसे अधिक यानी 5000 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी गई है। इसके बाद विकासपुरी का नंबर है, जहां 4806 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी जा सकी। पालम डिविजन में 4433 किलोवॉट, नजफगढ़ में 3469 किलोवॉट और नांगलोई में 3342 केलोवॉट बिजली चोरी पकड़ी गई है।

दक्षिण दिल्लीः दक्षिण दिल्ली के सरिता विहार डिविजन में 3171 किलोवॉट, साकेत में 3043 किलोवॉट और वसंतकुंज डिविजन में 3510 किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ी गई है।

गौरतलब है कि पांच महीने पहले, अप्रैल में बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने बिजली चोरों के खिलाफ अपना सबसे बड़ा अभियान लॉन्च किया था। इस अभियान की खास बातें ये थीं:

- अब रात में भी बिजली छापेमारी की जा रही है, पहले सिर्फ दिन के वक्त ही छापेमारी होती थी
- बीएसईएस की महिला अधिकारियों के नेतृत्व में छापेमारियां हो रही हैं
- छापेमारी पर गई पुलिस टीम में भी महिला पुलिस अधिकारी मौजूद होती हैं

87,000 किलोवॉट बिजली की चोरी को पकड़वाने में महिला अधिकारियों की खास भूमिका रही। महिला अधिकारियों की मौजूदगी की वजह से बीएसईएस एन्फोर्समेंट टीमें उन घरों में भी छापेमारी कर पाईं, जहां पहले छापेमारी करना संभव नहीं हो पाता था। यमुना विहार, दरियागंज, द्वारका, और नजफगढ़ जैसे इलाकों में बिजली की चोरी पकड़वाने में महिला अधिकारियों ने महत्वपूर्ण भमिका निभाई।

अभियान के दौरान बीएसईएस की टीमों पर कई बार हमले भी हुए, लेकिन एन्फोर्समेंट अधिकारियों, खासकर महिला अधिकारियों ने छापेमारी अभियान को जारी रखा। दिल्ली पुलिस की मदद के मुश्किल इलाकों में भी छापेमारी को अंजाम दिया गया।